ओ३म्

संस्कृत विभाग

कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून

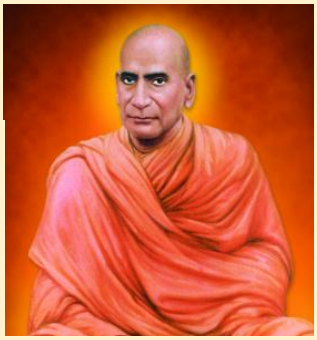

द्वितीय परिसर –

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय हरिद्वार

नव संवत्सर पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला-

संवत्सरः

व्याख्यात्री- डॉ.सुनीति आर्या

असिस्टेण्ट प्रोफेसर

संस्कृत विभागः

दिनाङ्क-19.03.2026

समयः- 11 पूर्वाह्न

समन्वयिका – प्रो. हेमन् पाठक

स्थान- संस्कृत विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून

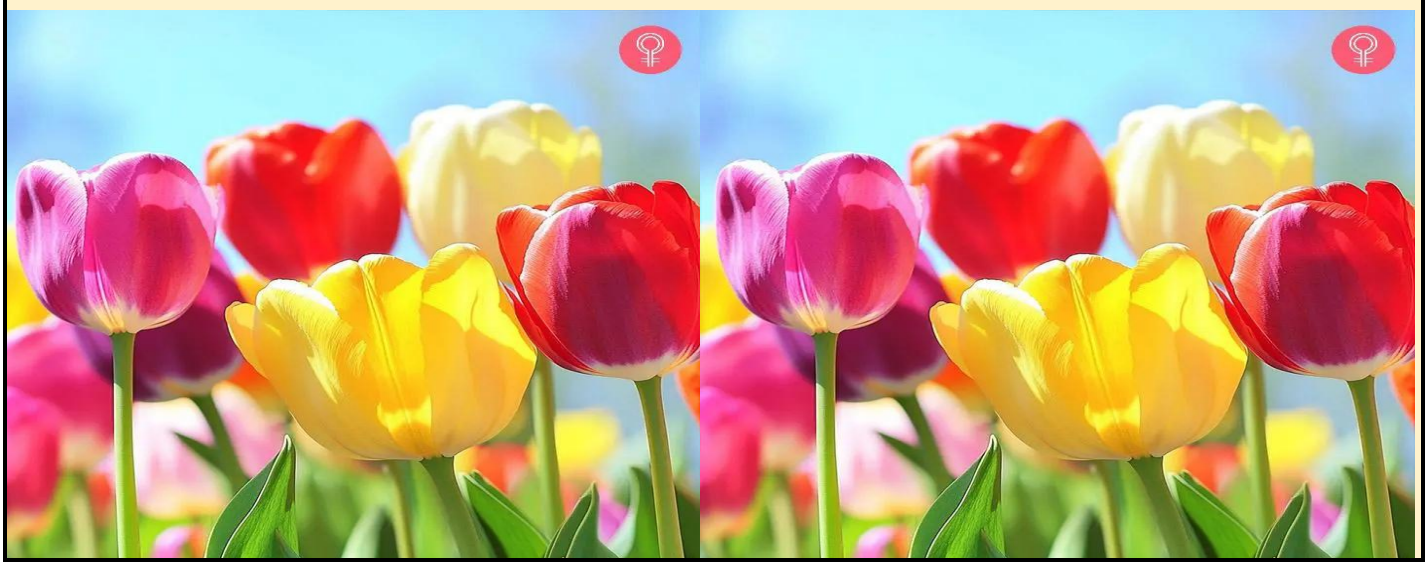

एकदिवसीय कार्यशाला प्रतिवेदन

कार्यक्रम: संवत्सरः

आयोजक: संस्कृत विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून

दिनांक: 19 मार्च 2026

समय: प्रातः 11:00 बजे

संस्कृत विभाग, कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून द्वारा दिनांक **19** मार्च **2026** को प्रातः 11:00 बजे "संवत्सरः" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ वैदिक मंगलाचरण के साथ हुआ, जिससे सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक एवं ज्ञानमय बन गया।

कार्यशाला में संस्कृत विभाग की सहायक आचार्या डॉ. सुनीति आर्या ने भारतीय ज्ञान परम्परा में वर्णित कालगणना प्रणाली पर विस्तृत एवं रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने संवत्सर, युग, मन्वन्तर तथा भारतीय कालगणना के वैज्ञानिक एवं दार्शनिक पक्षों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय परम्परा की प्राचीन एवं सुसंगठित समय-गणना पद्धति का परिचय कराया।

उन्होंने पाश्चात्य कालगणना एवं भारतीय कालगणना की तुलनात्मक विवेचना करते हुए बताया कि भारतीय परम्परा में समय की गणना अत्यन्त व्यापक एवं सूक्ष्म रूप से की गई है। इस अवसर पर कलियुग की मानववर्ष संख्या **4,32,000** तथा दैवी वर्ष संख्या **1,200** का उल्लेख करते हुए द्वापर, त्रेता एवं सतयुग की अवधि का भी सरल एवं स्पष्ट वर्णन किया गया।

कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने विषय को अत्यन्त रुचिपूर्वक सुना तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के इस महत्त्वपूर्ण पक्ष के संबंध में नई एवं उपयोगी जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों ने वक्ता के प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक उद्बोधन की सराहना की तथा इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों के निरन्तर आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। अन्त में सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया तथा कार्यशाला का समापन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

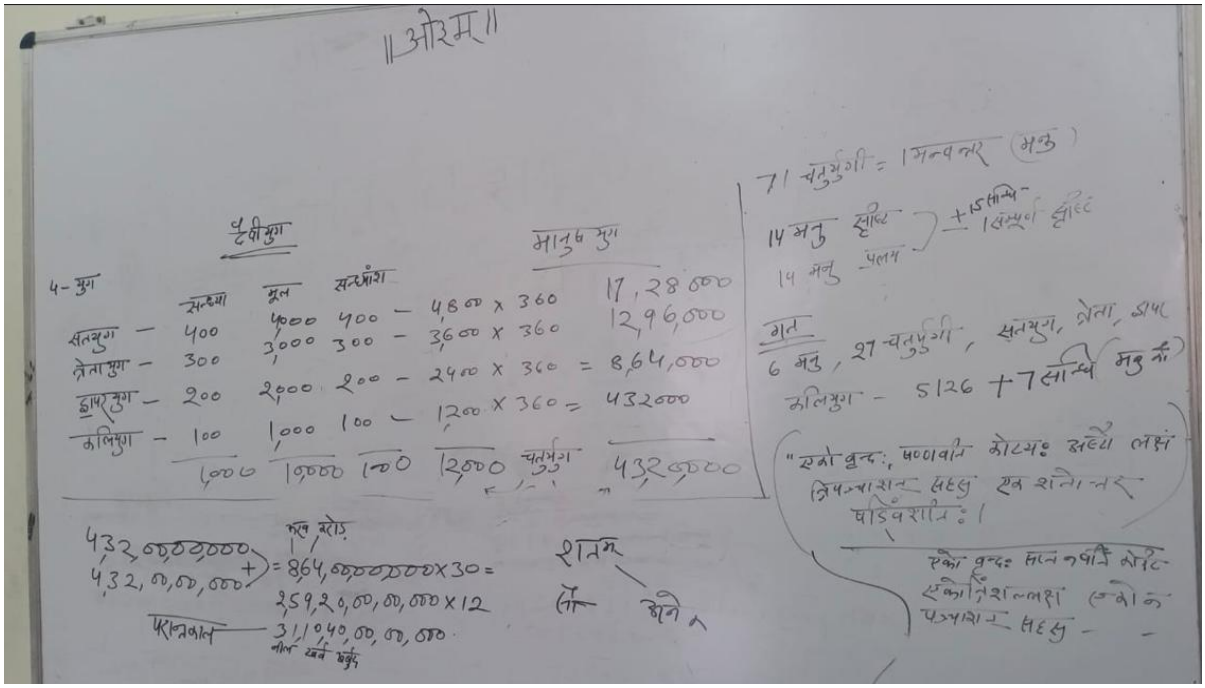

॥ओ३म्॥
दैवीयुग
मानुष युग
4- युग
सन्ध्या
मूल
सन्ध्यांश
सतयुग - 400 4000 400 - 4800 x 360 17,28,000
त्रेतायुग - 300 3,000 300 - 3600 x 360 12,96,000
द्वापरयुग - 200 2000 200 - 2400 x 360 = 8,64,000
कलियुग - 100 1,000 100 - 1200 x 360 = 432000
1,000 10,000 1000 12,000 चतुर्युग 4320000
71 चतुर्युगी = 1 मन्वन्तर (मनु)
कलियुग - 5126
शतम्

संवत्सर : 19 मार्च 2026

कन्या गुरुकुल परिसर के संस्कृत विभाग द्वारा "संवत्सर:" नाम की एक दिवसीय कार्यशाला का आज 19 मार्च 2026 को आयोजन हुआ। जिसमें विभाग की सहायक आचार्या डॉ. सुनीति आर्या ने सृष्टि संवत्, कलियुगाब्द, शक संवत् आदि की जानकारियों के विषय में बताया। कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापिकाएं एवं छात्रावृन्द निम्न हैं।

	नाम	सम्पर्क सूत्र	हस्ताक्षर
1.	Dr. Neena Gupta	9358106299	[illegible]
2.	Babita Sharma	9412940224	Babi
3.	Rachna Pandey	8439563740	[illegible]
4.	डॉ. सुनीति आर्या	8059048908	[illegible]
5.	डॉ. प्राची आर्या		
6.	Dr. Ananika Gupta	7043164884	[illegible]
7.	Ms. Shristi Malkoti	7505395945	Shristi
8.	Ms. Saijasi Rawat	8077729044	Saij
9.	Prachi	8059787141	Prachi
10.	Prabha	9013722252	Prabha
11.	Anchal	7668051871	Anchal
12.	Devangshi	7505997220	Devangshi
13.	Avni	9058861182	Avni
14.	Samiksha	8114553935	Samiksha
15.	Muskan	7310896517	Muskan
16.	Priya Chauhan	8279559034	Priya Chauhan
17.	Shivani Pant	7668574761	Shivani
18.	Ragini	9219038733	Ragini
19.	Aaradhna	7983874321	Aaradhna